लखनऊ
सोमवार, 20 नवम्बर 2023
वर्षः-08 अंकः-17
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

# करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

# चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर जमकर बरसे पैसे,

# हार के बावजूद टीम इंडिया को मिले करोड़ों

ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया, ये ऑस्ट्रेलिया का वनडे वर्ल्ड कप का छठा टाइटल रहा।

करण वाणी, न्यूज

इस जीत के बाद विजेता ऑस्ट्रेलिया पर जमकर पैसों की बरसात हुई. न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, बल्कि हारने वाली टीम इंडिया को भी करोड़ों की प्राइज मनी मिली।

आईसीसी की ओर से वर्ल्ड कप 2023 के लिए कुल 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 83 करोड़ भारतीय रुपये) की प्राइज मनी की घोषणा की गई थी।

जीतने वाली टीम को यानी ऑस्ट्रेलिया को 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 33 करोड़ भारतीय रुपये) की रकम इनाम के तौर पर दी गई।

वहीं हारने वाली यानी रनरअप रहने वाली टीम इंडिया को भी करोड़ों की प्राइज मनी मिली. आईसीसी की ओर से रनरअप टीम को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 16 करोड़ भारतीय रुपये) की राशि प्राइज मनी के रूप में दी गई।

बता दें कि फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 240 रनों के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी. जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 241 रनों के लक्ष्य को 4 विकेट पर 43 ओवर में हासिल कर लिया था।

# बेहद निराश दिखे कप्तान रोहित शर्मा,

# बोले- हमने बहुत कोशिश की, लेकिन...

फाइल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से शिकस्त दी, मैच खत्म होने के बाद रोहित शर्मा ने केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हुए साझेदारी की तारीफ की।

करण वाणी, न्यूज

ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 का खिताब अपने नाम किया. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट हराया. मैच खत्म होने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, "इस मैच का रिजल्ट हमारे अनुकूल नहीं रहा. हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं होना था।

**रोहित ने विराट और केएल राहुल की तारीफ की**

टीम इंडिया की बैटिंग को लेकर रोहित शर्मा ने कहा, "केएल राहुल और विराट कोहली अच्छी साझेदारी कर रहे थे. हम 270-280 के स्कोर की तरफ देख रहे थे, लेकिन हम लगातार विकेट खोते रहे. जब आपके स्कोर बोर्ड पर 240 रन होते हैं तो विकेट लेना जरूरी होता है।

**ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की तारीफ की**

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर रोहित शर्मा ने कहा, "ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन एक बड़ी साझेदारी कर हमें खेल से बाहर कर दिया. हमने हर संभव कोशिश की लेकिन मुझे लगता है कि रोशनी में बल्लेबाजी करने के लिए विकेट थोड़ा बेहतर हो गया. हम जानते थे कि दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी करना थोड़ा बेहतर होगा, लेकिन हम इसे कोई बहाना नहीं बनाना चाहते. हमने बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं बनाये." उन्होंने आगे कहा कि हमारे तेज गेंदबाजों ने 3 विकेट लिए एक और विकेट लेकर हम खेल में वापसी कर सकते थे।

**ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी**

ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाज स्कोर बोर्ड पर ज्यादा रन नहीं बना सके. बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम को भी भारत ने शुरूआती झटके दिए थे, लेकिन ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने 192 रनों की साझेदारी कर भारत को मैच में वापसी का मौका नहीं दिया।

ट्रेविस हेड ने फाइनल मुकाबले में 120 गेंदों में 137 रन बनाये. इस दौरान उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के जड़े. वहीं मार्नस लाबुशेन ने फाइनल मुकाबले में 110 गेंदों में 58 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 4 चौके जडे।

# स्वामी प्रसाद मौर्या की शादीशुदा बेटी ने कर ली दूसरी शादी

**छिपाई पहली शादी वाली बातः दामाद से मारपीट के मामले में कोर्ट ने संघमित्रा मौर्य व स्वामी प्रसाद मौर्य समेत सभी आरोपियों को किया तलब**

**करण वाणी, न्यूज**

भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्या 2019 के अपने चुनावी हलफनामे में जब अपने विवाहित होने की जानकारी छुपाती है, और सिर्फ.पिता का नाम देती हैं, उस वक्त वो कथित तौर पर एक नहीं बल्कि 2-2 व्यक्तियों से वैवाहिक संबंध में बंधी हुई थीं।"

समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी बेटी बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य नए विवाद में घिरते नजर आ रही है. लखनऊ के दीपक कुमार स्वर्णकार नाम के शख्स ने उन पर धोखाधड़ी और मारपीट का आरोप लगाया है. इस मामले में एमपी एमएलए कोर्ट संघमित्रा और स्वामी प्रसाद समेत पांच लोगों को 6 जनवरी को कोर्ट में तलब किया है. आरोप है कि संघमित्रा मौर्य ने तलाक लिए बिना दूसरी शादी की है।

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में रहने वाले दीपक कुमार स्वर्णकार का कहना है कि उसने संघमित्रा मौर्य से शादी की थी और संघमित्रा ने बगैर उससे तलाक लिए दूसरा विवाह किया. उसने ये भी दावा किया कि संघमित्रा ने 2019 के अपने चुनावी हलफनामे में खुद को अविवाहित बताया जो कि झूठ है. वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य समेत अन्य पांच लोगों पर उसे जान से मारने की धमकी देने और मारपीट का आरोप लगाया है।

**बिना तलाक दूसरी शादी का आरोप**

दीपक की शिकायत पर एमपी एमएलए कोर्ट ने इस मामले में संघमित्रा को बिना तलाक लिए दूसरी शादी करने और चुनाव आयोग को दिए हलफनामें में गलत जानकारी देने के आरोप में तलब किया है वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य को मारपीट व आपराधिक साजिश की धाराओं के मामले में हाजिर होने का कहा है. इस मामले पर सुनवाई 6 जनवरी को होनी है।

**लिव इन रिलेशन के बाद शादी**

दीपक स्वर्णकार का कहना है कि वो 2016 से संघमित्रा मौर्य के साथ लिव इन रिलेशनशिप में था. संघमित्रा ने बताया था कि उनका पहली शादी से तलाक हो चुका है. जिसके बाद साल 2019 में दीपक और संघमित्रा ने घर पर ही शादी कर ली थी, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में संघमित्रा ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में खुद को अविवाहित बताया. बाद में पता चला कि संघमित्रा का 2021 में तलाक हुआ था।

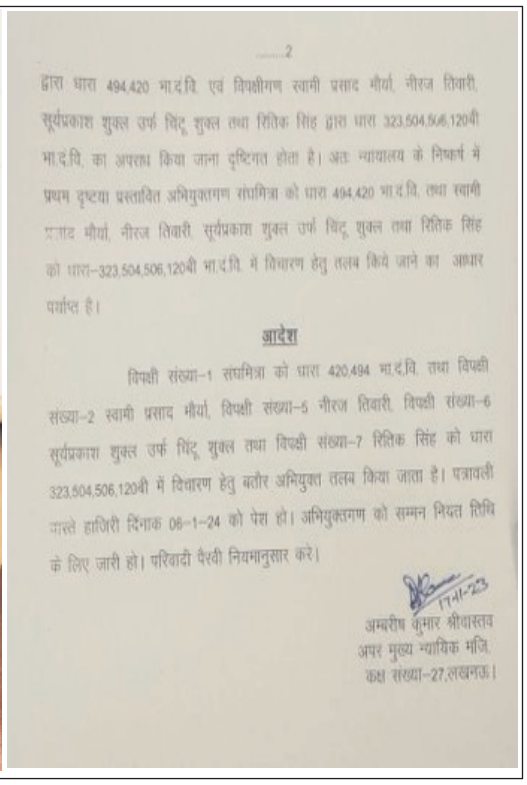





........2

द्वारा धारा 494,420 भा.द.वि. एवं विपक्षीगण स्वामी प्रसाद मौर्या, नीरज तिवारी, सूर्यप्रकाश शुक्ल उर्फ पिंटू शुक्ल तथा रितिक सिंह द्वारा धारा 323,504,506,120बी भा.द.वि. का अपराध किया जाना दृष्टिगत होता है। अतः न्यायालय के निष्कर्ष में प्रथम दृष्टया प्रस्तावित अभियुक्तगण संघमित्रा को धारा 494,420 भा.द.वि. तथा स्वामी प्रसाद मौर्या, नीरज तिवारी, सूर्यप्रकाश शुक्ल उर्फ पिंटू शुक्ल तथा रितिक सिंह को धारा-323,504,506,120बी भा.द.वि. में विचारण हेतु तलब किये जाने का आधार पर्याप्त है।

आदेश

विपक्षी संख्या-1 संघमित्रा को धारा 420,494 भा.द.वि. तथा विपक्षी संख्या-2 स्वामी प्रसाद मौर्या, विपक्षी संख्या-5 नीरज तिवारी, विपक्षी संख्या-6 सूर्यप्रकाश शुक्ल उर्फ पिंटू शुक्ल तथा विपक्षी संख्या-7 रितिक सिंह को धारा 323,504,506,120बी में विचारण हेतु बतौर अभियुक्त तलब किया जाता है। पत्रावली वास्ते हाजिरी दिनांक 06-1-24 को पेश हो। अभियुक्तगण को सम्मन नियत तिथि के लिए जारी हो। परिवादी पैरवी नियमानुसार करे।

अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव
अपर मुख्य न्यायिक मजि.
कक्ष संख्या-27,लखनऊ।

**कोर्ट ने 6 जनवरी को किया तलब**

वादी ने कहा साल 2021 जब उन्होंने विधि विधान से संघमित्रा से विवाह करने के लिए कहा तो स्वामी प्रसाद मौर्य ने उस पर कई बार अलग-अलग जगहों पर जानलेवा हमला कराया और मारपीट की. दीपक ने कोर्ट में अपना और गवाह का बयान भी दर्ज कराया है. इस मामले में संघमित्रा मौर्य और स्वामी प्रसाद मौर्य समेत, उनकी पत्नी शिवा मौर्य, बेटे उत्कृष्ट मौर्य समेत सभी आरोपियों को कोर्ट में तलब कर लिया है।

# आकर्षक गतिविधियों, कार्यशालाओं व कार्यक्रमों के लिए लखनऊ में स्वैगर्स फैमिली क्लब लॉन्च

**करण वाणी, न्यूज**

लखनऊ। लखनऊ में स्वैगर्स फैमिली क्लब लॉन्च किया गया है। यह क्लब लखनऊ में सकारात्मक योगदान देने की इच्छा रखता है।अपने सदस्यों के लिए गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम और पहल बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

कल्ब में मयंक, मोहित, कमल, अमन, प्रखर, अभिषेक, जितेंद्र (जीतू), अंकुर, अनुराग, अमित और कई अन्य प्रमुख सदस्य शामिल हैं।क्लब के सदस्यों का मानना ??है कि वे क्लब को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। वे क्लब को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।उनके सामूहिक उत्साह और समर्पण के साथ, क्लब का लक्ष्य हासिल करना और अपने सभी सदस्यों के लिए एक स्वागतयोग्य औरजीवंत समुदाय बनाना है।

वे आकर्षक गतिविधियों, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समर्पित हैं जो क्लब के सदस्यों के विविध हितों औरजरूरतों को पूरा करते हैं। उनका उद्देश्य समुदाय की भावना को बढ़ावा देना और समग्र क्लब अनुभव को बढ़ाना है। अपने प्रयासों केमाध्यम से, वे क्लब के प्रभाव को मजबूत करने और इसमें शामिल सभी लोगों के जीवन में खुशी और समृद्धि लाने की उम्मीद करते हैं।

# नकली वीडियो से संबंधित अपराधों को विनियमित करने के लिए विधायी ढांचे को फिर से तैयार करने की आवश्यकता

सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने माननीय केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री और उत्तर प्रदेश राज्य के माननीय मुख्यमंत्री कोपत्र लिखकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उत्पन्न फर्जी वीडियो से संबंधित अपराधों को विनियमित करने का अनुरोध किया है।

डॉ. राजेश्वर सिंह
विधायक, सरोजनीनगर

**करण वाणी, न्यूज**

डीपफेक तकनीक केवल कुछ वर्षों से ही अस्तित्व में है, लेकिन तब से इसकी गुणवत्ता में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है, और इसप्रवृत्ति में सुधार जारी रहेगा, जिससे इसका पता लगाना और भी कठिन हो जाएगा। मौजूदा कानूनी व्यवस्था इस तकनीक के प्रतिकूलहेरफेर से बचाने के लिए अपर्याप्त है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए मौजूदा कानूनी ढांचे को मजबूत करने की तत्कालआवश्यकता है।

**डीपफेक वीडियो से संबंधित अपराधों को विनियमित करने के लाभ होंगे**

**महिलाओं के व्यक्तिगत मौलिक अधिकारों और सम्मान के लिए खतराः**

ऑनलाइन कुल डीपफेक वीडियो में से 96% गैरझसहमतिवाली अश्लीलता है झ ऐसी घटना के सामाजिक परिणाम बहुत अधिक होते हैं, जो न केवल किसी व्यक्ति की सार्वजनिक छवि बल्किउनकी आत्मझछवि को भी विकृत करते हैं। इसका एक उदाहरण हाल ही में वायरल हुआ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का अश्लील डीपफेकवीडियो है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 51ए के तहत प्रदान की गई महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं कोत्यागने के हमारे

**मौलिक कर्तव्य के खिलाफ है**

**न्यायपालिका पर बोझ कम होनाः**

उन अदालतों पर बोझ कम करें जहां 4.5 करोड़ मामले पहले से ही लंबित हैं झ पार्टियां हमेशा दावाकर सकती हैं कि उनके खिलाफ सबूत नकली और मनगढ़ंत हैं; अदालत झूठे सबूतों को सच मान लेगी; दोषी व्यक्ति हमेशा यह कहतेहुए सार्वजनिक रूप से अपनी बेगुनाही बरकरार रख सकता है कि अदालत ने नकली सबूतों को असली मान लिया है।

**राजनीतिक स्थिरता को खतराः**

गैबॉन और मलेशिया के दो ऐतिहासिक मामलों में डीपफेक को कथित सरकारी कवरझअप और एकराजनीतिक बदनामी अभियान से जोड़ा गया था झ इनमें से एक मामला सैन्य तख्तापलट के प्रयास से संबंधित था, जबकि दूसरे में एकहाईझप्रोफाइल राजनेता को कारावास की धमकी दी गई थी झ बिना रक्षात्मक जवाबी उपायों के बावजूद, हमारे संविधान के भाग श केतहत गारंटीकृत निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

**आर्थिक स्थिति के लिए जोखिमः**

इसका उपयोग वित्तीय लाभ के लिए भी किया जा सकता है, जैसे कि विभिन्न तरीकों से बाजारों मेंहेरफेर करना जैसेः पहचान की चोरी; वॉयस क्लोनिंग या फेसझस्वैप वीडियो; किसी उत्पाद के समर्थन को गलत साबित करने के लिएमनगढ़ंत घटनाओं के माध्यम से स्टॉक में हेरफेर करना जो निवेशकों की भावनाओं को बदल सकता है; दुर्भावनापूर्ण बैंक चलाना; आवाजकी क्लोनिंग या चेहरे की अदलाझबदली। इसका एक उदाहरण 2019 में व्हाट्सएप पर प्रसारित डीपफेक संदेश है, जिसमें कहा गया थाकि यूनाइटेड किंगडम में स्थित मेट्रो बैंक में तरलता खत्म हो गई थी, लोग अपने सभी पैसे और आभूषणों का दावा करने के लिए मेट्रो बैंक में आने लगे।

**बड़े पैमाने पर समाज के लिए जोखिमः**

सत्य के बाद के युग की ओर कदम तेज हो सकता है और अलगाव और स्तरीकरण बढ़ सकता है, क्योंकि अलग अलग डीपफेक इंटरनेट पर अलग, अलग इको चेंबर या फिल्टर बबल में प्रसारित होंगे अल्पसंख्यक समूहों के प्रतिहिंसा के कार्य, चरमपंथी या यहां तक कि आतंकवादी समूहों के आख्यानों का समर्थन करना, और, सामाजिक अशांति और राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रहा है।

**स्वतंत्र प्रेस के लिए जोखिमः**

भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत गारंटीकृत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केअधिकार को खतरा। चिंता की बात यह है कि, जैसे-जैसे नकली और भ्रामक ऑडियो और वीडियो छवियां तेजी से यथार्थवादी, उत्पादनमें आसान, तकनीकी पहचान से प्रतिरक्षित और व्यापक रूप से प्रसारित होती जाती हैं, यहां तक कि प्रामाणिक ऑडियो और वीडियो छवियां भी अविश्वसनीय हो जाती हैं तथाकथित झूठे के लाभांश का एक प्रकार ह्य यह लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर करने कीउम्मीद करने वालों को एक खतरनाक नया हथियार देता है।

**डीपफेक रिप्रेजेंटेशन महत्वपूर्ण बिंदु**

आज तक ऐसा कोई विशिष्ट कानूनी प्रावधान या अधिनियम नहीं है जो डीपफेक तकनीक को अपराध घोषित करता हो।

पहचान की चोरी और आभासी जालसाजी से संबंधित अपराध । जिसके लिए आईटी अधिनियम की धारा 66 सी के तहत सजा कोमौजूदा तीन साल से बढ़ाकर सात साल किया जाना चाहिए और जुमार्ना पांच लाख रुपये तक बढ़ाया जाना चाहिए।

स्नेह चुनाव का अभ्यास करता है. आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत सजा को मौजूदा तीन साल से बढ़ाकर सात साल किया जाए

गोपनीयता का उल्लंघन / अश्लीलता और अश्लीलता. आईटी एक्ट की धारा 66ई और धारा 67 के तहत सजा को बढ़ाकर सात सालकिया जाए। आईपीसी की धारा 292 और 294 के तहत सजा को मौजूदा दो साल से बढ़ाकर 7 साल किया जाना चाहिए।

भारत के आईटी नियम, 2021 के लिए आवश्यक है कि डीपफेक का उपयोग करके नकली या उत्पादित की गई सभी सामग्री कोमध्यस्थ प्लेटफार्मों द्वारा 36 घंटों के भीतर हटा दिया जाए, ऐसा न करने पर वे ह्यसुरक्षित हार्बर प्रतिरक्षाह्य खो देंगे, इसे घटाकर 12 घंटेकिया जाना चाहिए।

इस संबंध में सभी अपराधों को तुरंत संज्ञेय और गैरझजमानती बनाया जाना चाहिए। इन अपराधों को भी धन शोधन निवारण अधिनियमके तहत अनुसूचित अपराध बनाया जाना चाहिए।

पर्याप्त अनुभव और विशिष्ट ज्ञान वाले व्यक्तियों और संगठनों के विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जानी चाहिए। उन्हें राज्य और केंद्रसरकारों और अन्य देशों (उदाहरण के लिए कैलिफोर्निया में एबी-602 और एबी-730 जैसे कानून) सहित विभिन्न स्रोतों से इनपुट काअध्ययन करने का काम सौंपा जाना चाहिए। इन इनपुटों का विश्लेषण करने के बाद इस समिति को एक विशिष्ट समय सीमा के भीतरएआई के किसी भी दुरुपयोग को रोकने के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा तैयार करना चाहिए।

विधि आयोग को प्रचलित कानूनों की अपर्याप्तताओं का अध्ययन करने और इस नवोदित प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकने के लिएनियामक परिवर्तनों का सुझाव देने का काम भी सौंपा जा सकता है।

# भगवान राम, लक्ष्मण व माता जानकी की झांकी ने मोहा मन

महेंदी माता मंदिर के स्थापना दिवस पर विशाल जागरण व मेले का आयोजन

**करण वाणी, न्यूज**

**लखनऊ।** बंथरा क्षेत्र के औरावां ग्रामसभा में शुक्रवार को महेंदी माता मंदिर के प्रांगण में स्थापना दिवस के रूप में विशाल जागरण एवं मेले का आयोजन बड़ी ही श्रद्धा एवं उत्साह से मनाया गया। मेहंदी माता के प्रांगण में मेले का आयोजन नवम्बर के महीने में शुक्रवार को समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। वही साथ साथ वार्ड के हाई स्कूल इंटरमीडिएट में अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्रों को वरिष्ठ जनों द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में करीब 25 मेधावियों को सम्मानित किया गया।

रिद्धि जागरण पार्टी लखनऊ के कलाकारों ने देवी की भक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां देकर भक्तों को भक्ति रस में

डुबो दिया। जिनमेंमुख्य रूप से राधे कृष्ण की मनमोहक झांकी, मर्यादा पुरुषोत्तम राम लक्ष्मण जानकी की झांकी, व सबसे ज्यादा सराही गई मां काली केतीन स्वरूपों की झांकी, भक्तों ने झांकियों का आनंद लेते हुये जमकर सराहना की। बड़ी संख्या में देवी भक्त पूरी रात आराधना कर मांको प्रसंन करने में तल्लीन रहे। जागरण के गायक दिनेश कश्यप लखनवी का कहना है कि हमारी जागरण पार्टी हर जगह अपना शोकरती है लेकिन वास्तव में जो उत्साह हमे इस गांव के लोगो मे देखने को मिला है वह कहीं नहीं दिखा।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से कांग्रेस से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रुद्रदमन सिंह, अरविंद सिंह, बंथरा नगरपंचायत चेयरमैन प्रतिनिधिरंजीत रावत, मेला कमेटी अध्यक्ष देवी बख्श सिंह, सभासद हुकुम सिंह, शारदा बख्श सिंह, जगतपाल सिंह, विनोद सिंह, पत्रकारअरविंद सिंह, पत्रकार आशीष सिंह, पत्रकार अजीत सिंह, बृजपाल सिंह, अजय सिंह, रामप्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, प्रदीप सिंह, सतीश शुक्ला, रघुवेंद्र सिंह, रवि सिंह (पुनीत), शैलेश सिंह, हर्षित सिंह, धर्मेंद्र सिंह, प्रियांशु सिंह, सुजीत सिंह, विवेक सिंह, अनुज सिंह, शेर बहादुर सिंह, अमित सिंह व सभी वार्डो के सभासद एवं समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से मेले, जागरण और भंडारे का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

# राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर संगोष्ठी का आयोजन, पत्रकारों ने पत्रकारिता की गिरती साख पर जताई चिंता

▶▶राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट उत्तर प्रदेश ने किया संगोष्ठी का आयोजन

▶▶पत्रकारिता की दिशा और दशा सुधारने के लिए कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुझाव

करण वाणी, न्यूज

**लखनऊ।** पत्रकारिता के लिए न्यूनतम योग्यता और अनुभव की अनिवार्यता न होना ही इस पेशे की सबसे बड़ी विडंबना है। पत्रकारिता अन्य वृत्तियों की तरह व्यापार नहीं है। यहां सफल होने के लिए साधन की पवित्रता भी मायने रखती है। पैसे कमाने के लिए मूल्यों से समझौता करना उचित नहीं है। कोविड-19 के दौरान चिकित्सक के बाद पत्रकारों ने ही जान जोखिम में डाली थी। पत्रकारों के लिए अबभी बड़ी संभावनाएं हैं, जरूरत है तो सतत प्रतिबद्धता के साथ समर्पण की। उक्त बातें वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार मिश्रा ने कहीं। वह एनयूजे, लखनऊ की ओर से विधायक निवास-6 स्थित प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

मुख्य वक्ता मनोज कुमार मिश्र ने आह्वान किया कि भावी पीढ़ी के लिए कुछ ऐसे मानक स्थापित करने का प्रयास करें कि वह पत्रकारिता की दिशा तय कर सकें। जगह बदलें पर तारीका न बदलें। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए सर्वाधिक चुनौतियां उत्तर प्रदेश में हैं, अन्य राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं हैं। पर यहां ऐसा भी नहीं है कि खबर लिखने पर एफआईआर दर्ज हुई हो, उसके कारण अलग हैं। उन्होंने आग्रह किया कि टांग खिंचाई नहीं करें, एकता स्वयं निर्मित होती जाएगी। पत्रकार स्वयं पत्रकारों की इज्जत करना शुरू करें। कमियां व्यक्तिगत बताएं, प्रशंसा सामूहिक करें, आपसी एकता का भाव स्वतः मजबूत होने लगेगा। उन्होंने पत्रकारिता की दिशा और दशासुधारने के लिए नियमित कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

विशिष्ट वक्ता नवल कांत सिन्हा ने कहा कि अंग्रेजों के समय की चुनौतियों से पत्रकारों ने मोर्चा लिया। आजाद भारत में आपातकाल के दौरान पत्रकारों ने लोकतंत्र बचाने के लिए दो दो हाथ किए। वर्तमान में भी पत्रकारों को साबित करना है कि हम सरस्वती पुत्र हैं। निकटभविष्य में पत्रकारों को एआई तकनीक से भी निपटने के लिए तैयार करना होगा। टेक्नोलॉजी के दौर में स्वयं को अपडेट करना पड़ेगा। एकता के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनानी पड़ेगी। एनयूजे, उत्तर प्रदेश के संयोजक प्रमोद गोस्वामी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन को कोट करते हुए कहा कि लोकतंत्र में पत्रकार अगर सत्ता से हाथ मिला लेता है तो यह अनैतिक है।ह्य उन्होंने आगेकहा कि वर्तमान में पत्रकारों ने खुद को राजनेताओं एवं अधिकारियों का प्रवक्ता बना लिया है। यह पत्रकारिता का सबसे बुरा दौर है। आज संपादक नाम की संस्था पूरी तरह खत्म हो गई है। अब संपादकीय विभाग में भी मालिकों का हस्तक्षेप इस कदर बढ़ गया है कि उनको संपादक के बजाय लाइजनर अधिक मुफीद लगने लगा है। पत्रकारिता के क्षरण के लिए सिर्फ पत्रकार को ही

## पत्रकारिता में न्यूनतम योग्यता और अनुभव की अनिवार्यता न होना बड़ी विडंबना

जिम्मेदार नहीं मानाजाना चाहिए, इसके लिए सिस्टम और समाज भी बराबर का साझीदार है। पत्रकार आज के दौर में भजन मंडली बन गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार राजवीर सिंह ने कहा कि सच की पत्रकारिता के लिए संघर्ष तो करना ही होगा। पत्रकारिता के दौरान पत्रकारों को स्वयंकी विचारधारा किनारे रख देनी चाहिए। विचारधारा के पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर पत्रकारिता करने से हम अपने लिए ही मुसीबतें खड़ी करेंगे। अध्यक्षता करते हुए एनयूजे, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र सक्सेना ने कहा कि रिपोर्टर मीडिया संस्थानों में एक छोटा सा पुजाहैता है, मगर इस पुर्जे के बिना पूरी मशीनरी किसी काम की नहीं है। मीडिया मालिकों को चाहिए कि पत्रकार पर हाथ होना बहुत जरूरी है, इसके बिना भी काम नहीं चलने वाला है।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार के बक्स सिंह, सुरेंद्र कुमार दुबे, एनयूजे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय कुमार, प्रदेशमहामंत्री संतोष भगवान, प्रदेश कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अतुल मोहन सिंह, जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य, जिला महामंत्री पद्माकर पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष अनुपम पांडेय, मनीष श्रीवास्तव, अखिलेश मयंक, मनीष वर्मा, अभिनव श्रीवास्तव, अरुण शर्मा टीटू, मीनाक्षी वर्मा, संगीता सिंह, मनीषा सिंह, गरिमा सिंह, पंकज सिंह चौहान, अनिल सिंह, धीरेन्द्र मिश्रा, अखिलेश मयंक, धीरेन्द्र मिश्र, रणवीर सिंह, किशन सेठ, श्यामल त्रिपाठी, अश्विनी जायसवाल, नागेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

# समितियों में शुचिता और सहकारी सिद्धांत के अनुरूप करें कार्य : वेंकटेश्वरलू

▶▶बिना संस्कार नहीं सहकार; ध्येय वाक्य को लेकर लोगों को जोड़ रही सहकार भारतीः राजदत्त पांडेय

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सहकारी समितियों में शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सहकारी सिद्धांत के अनुरूप कार्य होना चाहिए। इससे सहकारिता की मूल भावना के साथ सहकार से समृद्धि का संकल्प साकार करने में बेहतर मदद मिलेगी। उपरोक्त विचार प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वरलू ने अवध कृषि सहकारी विकास समिति के तत्वावधान में गुरुवार को आयोजित सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत आईसीसीएम आरटी में व्यक्त किए। वह गैर ऋण सहकारी समितियां के पुनरुद्धार एवं वित्तीय समावेशह्य विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी है कि सहकारिता क्षेत्र के लोग इसे आत्मसात करें और इसके उन्नयन तथा उत्थान के लिए समर्पित होकर काम करें।

विशिष्ट अतिथि सहकार भारती पैक्स प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक राजदत्त पाण्डेय ने कहा कि सहकार भारती सहकारिता क्षेत्र में लोगोंको जागरूक करने का कार्य कर रही है। बिना संस्कार नहीं सहकार जैसे ध्येय वाक्य को लेकर देश में सहकारिता से लोगों को जोड़ रहीहै। सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि हम'70वां सहकारिता सप्ताह मना रहे हैं। सहकारिता को सुदृढ़ करने के लिये पिछले माह ठोस कदम उठाए गए हैं। सदस्यता अभियान एवं सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने को स्वयंसेवक नियुक्त कर नवाचार किया गया है। केंद्र में सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद बीपैक्स से सहकारी समितियां अब बहुउद्देशीय कार्य कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करा सकेंगी।

कार्यक्रम में प्रदेश सह महिला प्रमुख शालिनी सिंह, शिविता गोयल, विमला तिवारी, दीप्ति सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश विपणन प्रमुख सुरेंद्र सिंह चौहान, अवध विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद मिश्र, सहकार भारती महानगर अध्यक्ष पीयूष मिश्रा, महामंत्री संजय चौहान, संगठन प्रमुख रवितेश प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष सर्वेश यादव, अवध कृषि सहकारी विकास समिति के संचालकराजेश कुमार सिंह, सीएल श्रीवास्तव, जीएस त्रिपाठी, शिवमंगल सिंह चौहान, घनश्याम पाठक उपस्थित थे। संचालन सहकार भारती केप्रदेश उपाध्यक्ष और राज्य निर्माण एवं श्रम विकास संस्थान के निदेशक हीरेंद्र कुमार मिश्रा ने किया।

# चुकंदर की इन किस्मों से होगी लाखों की कमाई और ज्यादा पैदावार

## चुकंदर की खेती : जानें, चुकंदर की इन किस्मों की विशेषता और लाभ

करण वाणी, न्यूज

किसान चुकंदर की खेती से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। चुकंदर एक बहुत ही लाभकारी फल होता है। इसके सेवन से शरीर में खून बढ़ता है। यही कारण है कि एनिमिक लोगों को डाक्टर चुकंदर का सेवन करने की सलाह देते हैं। इसके सेवन से शरीर में खून बनना शुरू हो जाता है। इसके इसी गुण के कारण इसे औषधी के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे कच्चा खाना या इसका रस पीना दोनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। गाजर के साथ चुकंदर का इस्तेमाल ज्यूस बनाने में किया जाता है। इसकी बाजार मांग भी काफी अच्छी रहती है और इसके भाव भी बेहतर मिल जाते हैं। इसे देखते हुए यदि किसान इसकी खेती करें तो इससे काफी अच्छा पैसा कमाया जा सकता है। इसकी खेती में बेहतर पैदावार प्राप्त करने के लिए इसकी उन्नत किस्मों का चयन किया जाना बेहद जरूरी है।

**चुकंदर में पाए जाने वाले पोषक तत्व**

चुकंदर में बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर के लिए लाभकारी होते हैं। इसमें काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, फैट और डाइटरी फाइबर जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। इसके अलावा चुकंदर में विटामिन सी, विटामिन बी-6, राइबोफ्लेविन और थायमिन विटामिन होता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम भी पाया जाता है।

**चुकंदर की टॉप 7 किस्में**

चुकंदर की कई प्रकार की किस्में पाई जाती है जिनसे अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से आपको चुकंदर की उन्नत किस्मों में से टॉप 7 किस्मों की जानकारी दे रहे हैं जिनसे बेहतर पैदावार के साथ ही अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

**1. अर्ली वंडर**

चुकंदर की इस किस्म की जड़ें चिपटी होने के साथ ही चिकनी और लाल सतह वाली हाती हैं। यह अंदर से लाल होती है और इसकी पत्तियां हरे रंग की होती हैं। यह किस्म 55 से 60 दिन की अवधि में पककर तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार सामान्य किस्म से अधिक मिलती है।

**2. शाइन रेडबॉल**

चुकंदर की शाइन रेडबॉल किस्म का कंद गोल व गहरे लाल रंग का होता है। इस किस्म के पौधे की ऊंचाई 30 से 32 सेंटीमीटर तक होती है। यह किस्म रबी, जायद और खरीफ तीनों सीजन में उगाई जा सकती है। इस किस्म के कंद का वजन 150 से 180 ग्राम तक होता है। इस किस्म को पककर तैयार होने में 50 से 60 दिन का समय लगता है।

**3. अशोका-रेडमेन**

अशोका-रेडमेन किस्म की पत्तियां

चौड़ी होती है और इसका मध्य शिरा गुलाबी रंग का होता है। इसके कंद चिकने, गोल, तिरछे तथा लाल रंग के होते हैं। इसके कंद का वजन 150 से 180 ग्राम तक होता है। इस किस्म में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है। इस किस्म को जायद, रबी और खरीफ तीनों सीजन में उगाया जा सकता है। इसकी फसल 65 से लेकर 70 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

**4. क्रिमसन ग्लोब**

चुकंदर की क्रिमसन ग्लोब किस्म मध्यम आकार की होती हैं। इसकी जड़ें मध्यम और छिलका लाल रंग का होता है। इसके पत्ते चमकदार हरे रंग के होते हैं। इस किस्म की औसत पैदावार 80 क्विंटल प्रति एकड़ मिलती है।

**5. मिश्र की क्रास्बी**

चुकंदर की यह किस्म चिपटी जड़ों के साथ चिकनी सतह वाली होती है। यह किस्म अंदर से गहरे परपल लाल रंग की होती हैं। इस किस्म की बुवाई से करीब 50 से 60 दिन की अवधि में पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

**6. कलश एक्शन**

चुकंदर की इस किस्म की बुवाई रबी, खरीफ और जायद तीनों सीजन में की जा सकती है। यह किस्म 50 से 55 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसके फल बहुत ही आकर्षक और गहरे लाल रंग के होते हैं। इसके कंद का वजन 100 से 150 ग्राम तक होता है। इस किस्म में 200 से लेकर 250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

**7. इंदम रूबी**

यह चुकंदर की अधिक उत्पादन देने वाली किस्म है। यह किस्म बुवाई से 55 दिन के भीतर पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म को रबी और खरीफ दोनों सीजन में उगाया जा सकता है। इस किस्म का कंद गोल और एक समान लाल रंग का होता है। इसके कंद वजन करीब 200 ग्राम होता है। इसके पौधे की ऊंचाई एक फीट तक होती है।

**चुकंदर की उन्नत किस्मों की बुवाई का तरीका**

चुकंदर की बुवाई दो विधियों से की जाती है। इसमें एक छिटकवां विधि है और दूसरी मेड विधि होती है।

छिटकवां विधि इस विधि में बीजों की बुवाई करने से पहले क्यारियां बनाई जाती है और उसमें बीज छिटक दिए जाते हैं। इससे खाद और मिट्टी के बीच इनका अंकुरण हो जाता है। इस विधि में करीब 4 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज की आवश्यकता होती है।

मेड विधि- इस विधि में बुवाई के लिए 10 इंच की दूरी ऊंची मेड या बेड बनाया जाता है। अब इस पर तीन-तीन इंच की दूरी रखकर मिट्टी में बीजों को लगाया जाता है। इस विधि में अधिक बीजों की जरूरत नहीं होती है। इस विधि से चुकंदर की बुवाई करने पर सिंचाई करने और निराई गुड़ाई का काम आसानी से हो जाता है।

# मालामाल कर देगी सागवान पेड़ की खेती, कुछ सालों में बन जाएंगे करोड़पति

करण वाणी, न्यूज

सागवान के पौधे को 8 से 10 फीट की दूरी पर लगाया जा सकता है. ऐसे में अगर किसी किसान के पास 1 एकड़ खेत है तो वो उसमें करीब 500 सागवान के पौधे लगा सकता है. 12 साल बाद इन पेड़ों की कटाई कर किसान करोड़पति बन सकते हैं।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा मिलने की वजह से सरकार किसानों को सागवान के पेड़ों की खेती करने की सलाह देती है. इसकी लकड़ियों की गिनती सबसे मजबूत और महंगी लकड़ियों में होती है.इससे फर्नीचर, प्लाइवुड तैयार किया जाता है. इसके अलावा सागवान का इस्तेमाल दवा बनाने में भी किया जाता है।

**सागवान के लिए खेत में कितनी हो दूरी**

सागवान की लकड़ियां लंबे समय तक टिकती हैं. इसकी खेती के लिए न्यूनतम 15 डिग्री और अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस का तापमान अनुकूल माना जाता है. इसके अलावा जलोढ़ मिट्टी सागवान की खेती के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है. मिट्टी का पीएच 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए.

**कौन सा मौसम सागवान की बुवाई के लिए ठीक?**

सागवान की बुवाई के लिए मॉनसून से पहले का समय सबसे अनुकूल माना जाता है. इस मौसम में पौधा लगाने से वो तेजी से बढ़ता है. शुरुआती सालों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है. पहले साल में तीन बार दूसरे साल में दो बार और तीसरे साल में एक बार अच्छे से खेत की सफाई जरूरी है, सफाई के दौरान खरपतवार को पूरी तरह खेत से बाहर करना होता है. सागवान के पौधे के विकास के लिए सूर्य की रौशनी अत्यंत आवश्यक होती है. ऐसे में पौधा लगाते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि खेत में पर्याप्त रोशनी पहुंच सके. नियमित समय पर पेड़ के तने की कटाई-छटाई और सिंचाई करने से पेड़ की चौड़ाई तेजी से बढ़ती है।

**सागवान के पेड़ को जानवरों से डर नहीं**

सागवान के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं. यही वजह है कि जानवर खाना

पसंद नहीं करते. साथ ही अगर पेड़ की देखभाल ठीक से की जाए तो इसमें कोई बीमारी भी नहीं लगती. इसके विकास में तकरीबन 10 से 12 लगते हैं. किसान एक ही पेड़ से कई सालों तक मुनाफा कमा सकते हैं. सागवान का पेड़ एक बार काटे जाने के बाद फिर से बड़ा होता है और दोबारा इसे काटा जा सकता है. ये पेड़ 100 से 150 फुट ऊंचे होते हैं।

**सागवान से करोड़ों में कमाई**

अगर कोई किसान 500 सागवान के पेड़ लगाता है तो 12 वर्ष के बाद इसे करीब एक करोड़ रुपये में बेच सकता है. बाजार में 12 साल के सागवान के पेड़ की कीमत 25 से 30 हजार रुपये तक है और समय के साथ इसकी कीमत में बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है. ऐसे में एक एकड़ की खेती से 1 करोड़ रुपये की कमाई आराम से की जा सकती है।

# 'टाइगर 3' के कलेक्शन में आई भारी गिरावट

करण वाणी, न्यूज

सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'टाइगर 3' लगातार चर्चा में है। यह फिल्म दिवाली के मौके पर 12 नवंबर को रिलीज हुई थी। यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। अच्छी ओपनिंग के बाद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट नजर आई है। फिल्म ने दमदार ओपनिंग की और इसने एक हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया था। वहीं, हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'खिचड़ी 2' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। 'टाइगर 3' की आंधी के आगे 'खिचड़ी 2' अपने आप को टिकाने में कामयाब रही है। इन दोनों फिल्मों के अलावा, 12वीं फेल को अब भी दर्शकों का पूरा समर्थन मिल रहा है। तो चलिए जानते हैं कि रविवार को वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मैच के बीच किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है।

**टाइगर 3**

वीकडेज पर गिरावट के बाद सलमान खान की फिल्म की कमाई ने आठवें दिन उछाल देखने को मिला। शनिवार को फिल्म का कलेक्शन 18.5 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं, रविवार को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मुकाबले के चलते फिल्म की कमाई पर भारी असर पड़ा है।

सलमान खान की फिल्म के कलेक्शन में आठवें दिन एक बार फिर से घाटा देखने को मिला है। रविवार को वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मैच के बीच 'टाइगर 3' ने 10 करोड़ 25 लाख का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 229.65 करोड़ हो गई

**खिचड़ी 2**

कॉमेडी फिल्म 'खिचड़ी 2' ने शुक्रवार, 17 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचकर लाने में काफी मेहनत कर रही है। ओपनिंग डे

पर फिल्म ने 1.1 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने शनिवार को 1.35 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया। वहीं, ताजा आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने तीसरे दिन 60 लाख का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 3.05 करोड़ हो गई है।

**12वीं फेल**

विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल दर्शकों का दिल जीतने में पूरे अंकों के साथ पास हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अब भी अपने पैर टिकाए हुए हैं। शनिवार को 23वें दिन फिल्म ने एक करोड़ 55 लाख का कलेक्शन किया थी। वहीं, 24वें दिन रविवार को फिल्म ने एक करोड़ 70 लाख का कलेक्शन किया है। 12वीं फेल ने अब तक 39.10 करोड़ का कलेक्शन किया है।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

# छठ के आखिरी दिन पर उगते हुए सूर्य को दें अर्घ्य

करण वाणी, न्यूज

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को छठ पूजा का अंतिम दिन मनाया जाता है. इस दिन सूर्योदय के समय सूर्य देव को अर्घ्य देने की परंपरा है. उगते सूरज के अर्घ्य देने का शुभ मुहूर्त आज सुबह 06 बजकर 47 मिनट है।

छठ पूजा का आज चौथा और अंतिम दिन है. व्रत रखने वाली महिलाएं आज उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करेंगी. इस पूजन विधि के साथ ही छठ के महापर्व का समापन हो जाएगा. अंतिम दिन सूर्य को वरुण वेला में अर्घ्य दिया जाता है. यह सूर्य की पत्नी उषा को दिया जाता है. इससे सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है. आइए जानते हैं छठ के चौथे दिन का महत्व क्या होता है और उगते सूर्य को अर्घ्य देने का शुभ मुहूर्त क्या है.

सूर्योदय अर्घ्य का समय

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को छठ पूजा का अंतिम दिन मनाया जाता है. इस दिन सूर्योदय के समय सूर्य देव को अर्घ्य देने की परंपरा है. उगते सूरज के अर्घ्य देने का शुभ मुहूर्त आज सुबह 06 बजकर 47 मिनट पर है. इसके बाद पारण कर इस व्रत को पूरा किया जाता है. सूर्य को जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे का उपयोग करना चाहिए. गिरते जल की धारा में सूर्यदेव के दर्शन करना चाहिए.

छठ का धार्मिक महत्व

ऐसी मान्यता है कि सूर्य देव की पूजा करने से तेज, आरोग्यता और आत्मविशवास की प्राप्ति होती है. दरअसल, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य ग्रह को पिता, पूर्वज, सम्मान का कारक माना जाता है. साथ ही छठी माता की अराधना से संतान और सुखी जीवन की प्राप्ति होती है. इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह पर्व पवित्रता का प्रतीक है.

छठ के अंतिम अर्घ्य के उपाय

1. इससे संतान सम्बन्धी समस्याएं दूर होती हैं. इससे नाम यश बढ़ता है. अपयश के योग भंग होते हैं. पिता पुत्र के संबंध ठीक होते हैं. इसके अलावा जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर होता है, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है. सूर्य को अर्घ्य देने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

2. सुबह के वक्त जल की धारा में से उगते सूरज को देखना चाहिए. इससे धातु और सूर्य कि किरणों का असर आपकी दृष्टि के साथ आपके मन पर भी पड़ता है और आपको सकारात्मक उर्जा का आभास होता रहेगा.

`3. सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्त्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है. हर दिन सूर्य को अर्घ्य देने से व्यक्ति की कुंडली में यदि शनि की बुरी दृष्टि हो तो उसका प्रभाव भी कम होता है. इससे करियर में भी लाभ मिलता है.

## आज सूर्योदय की सभी शहरों में टाइमिंग

दिल्ली- सुबह 06 बजकर 47 मिनट
मुंबई- सुबह 06 बजकर 48 मिनट
पटना- सुबह 06 बजकर 01 मिनट
वाराणसी- सुबह 06 बजकर 18 मिनट
कोलकाता- सुबह 05 बजकर 52 मिनट
लखनऊ- सुबह 06 बजकर 31 मिनट
नोएडा- सुबह 06 बजकर 48 मिनट
रांची- सुबह 06 बजकर 7 मिनट
जयपुर- सुबह 6 बजकर 51 मिनट
भोपाल- सुबह 6 बजकर 38 मिनट
गुरुग्राम- सुबह 6 बजकर 49 मिनट
चंडीगढ़- सुबह 6 बजकर 54 मिनट
अहमदाबाद- सुबह 6 बजकर 57 मिनट
पुणे- सुबह 6 बजकर 45 मिनट

# इजरायल ने अल-शिफा में 55 मीटर लंबी सुरंग मिलने का किया दावा, हमास बोला- हमने नहीं बनाई...

इजरायली सेना अल-शिफा अस्पताल में मौजूद है, उसने दावा किया है कि उसे वहां कई ऐसे सबूत मिले हैं जो इस बात को पुख्ता करती है कि हमास के लड़ाकों की मौजूदगी अस्पताल के नीचे अंडरग्राउंड बंकरो में थी।

करण वाणी, न्यूज

इजरायल ने हमास के ऊपर आरोप लगाया है कि अल-शिफा अस्पताल के नीचे एक 55 मीटर की सुरंग में एक सैनिक और दो विदेशी बंधकों को कैद कर रखा गया था. इजरायली सेना ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक सुरंग को दिखाया गया था. सेना ने दावा किया कि अल-शिफा के परिसर के नीचे 10 मीटर गहराई तक सुरंग खोदी गई थी.

पिछले हफ्ते इजरायल ने अल-शिफा अस्पताल पर कब्जा कर लिया था, इसके बाद से इजरायली सेना ने अस्पताल की कई इमारतों की तलाशी ली थी और कई कथित सबूत पेश किए थे और दावा किया था कि अस्पताल के नीचे बंकर में हमास के लड़ाके ऑपरेशन चला रहे थे.

**हमने अल-शिफा में नहीं बनाई कोई सुरंग'**

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हमास ने स्वीकार किया है पूरे गाजा में उसने सैंकड़ो किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई है. हमास ने कहा कि वह इस बात को कबूलते हैं कि उनके पास सुरंगों, बंकरों और एक्सेस शाफ्ट का एक नेटवर्क है लेकिन अल-शिफा के भीतर उन्होंने कोई सुरंग नहीं बनाई है.

**बंधकों को तलाश रहा है इजरायल**

इजरायली सेना अल-शिफा अस्पताल में अपने सभी नागरिकों को ढूंढ रहा है जिसे हमास ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद अगवा कर लिया था. हाल ही में इजरायली सेना को अल-शिफा के नजदीक एक बंधक महिला का शव मिला था. इजरायल ने दावा किया कि महिला का नाम नोआ मार्सियानो था और वह इजरायली सेना की सिपाही थी. हालांकि हमास ने इजरायल के आरोपों से इनकार किया है, उसने कहा कि नोआ मार्सियानो की मौत इजरायली हमलों की वजह से हुई है.

नोआ की मौत पर सेना ने कहा, "नोआ की हत्या अल-शिफा अस्पताल में हमास के एक आतंकवादी ने की थी. इजरायली सेना मार्सियानो के परिवार की देखभाल करेगा. हम बंधकों को वापस लाने के लिए हर संभव तरीके से प्रयास कर रहे हैं."

# एक्सप्रेसवे पर बनेंगे नए औद्योगिक गलियारे, खुलेंगी 500 इकाइयां

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। यूपी के एक्सप्रेस वे पर नए औद्योगिक गलियारे बनाए जाएंगे और इसके आसपास 500 औद्योगिक इकाइयां विकसित की जाएंगी। हर गलियारे के लिए 100 एकड़ का भूमि अधिग्रहण होगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 4000 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

उद्योगों को रफ्तार देने के लिए डिफेंस और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के बाद एक्सप्रेसवे औद्योगिक गलियारे कागजों से बाहर निकलकर जमीन पर उतरने लगे हैं। बुंदेलखंड, आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल और गंगा एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ औद्योगिक पार्कों की स्थापना को हरी झंडी मिल गई है। इससे प्रदेश में 500 से ज्यादा बड़ी औद्योगिक इकाइयों के खुलने का रास्ता भी साफ हो गया है।

यूपीडा इन चारों एक्सप्रेसवे के इंट्री व एग्जिट प्वॉइंट पर गलियारे के निर्माण के लिए 100-100 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करेगा। गंगा एक्सप्रेस- वे से इसका आगाज हो गया है। 500 बड़ी इकाइयों की स्थापना को ध्यान में रखकर इस मेगा प्रोजेक्ट में करीब 4000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसको लेकर कार्ययोजना तैयार हो गई है। इसमें एक्सप्रेसवे के सहारे उद्योगों के विकास का ब्लू प्रिंट बनाया गया है।

एक्सप्रेसवे के इंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर उद्योग लगाने के लिए कॉन्सेप्ट प्लान, परस्पेक्टिव प्लान, प्री फिजिबिलिटी और डीपीआर तैयार करने का जिम्मा यूपीडा को सौंपा गया है। योजना से जुड़े सूत्रों का कहना है कि औद्योगिक गलियारे के लिए पहले चरण में सौ-सौ एकड़ जमीन अधिग्रहण के बाद दूसरे चरण में मांग के अनुरूप और जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

यूपीडा के मुताबिक चारों एक्सप्रेसवे के किनारे खड़ी होने वाली इकाइयां राज्य के किसी भी कोने में

अधिकतम 12 घंटे में अपने उत्पाद पहुंचाने में सक्षम होंगी। इससे सबसे ज्यादा विकास लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस सेक्टर का होगा। इसी के साथ इनमें भंडारण वाले उत्पादों की मांग में तेजी आएगी। एक्सप्रेसवे के औद्योगिक गलियारों के जरिए फल-सब्जी व डेयरी उत्पादों सहित ऐसी वस्तुओं के परिवहन की रफ्तार तीन गुना तक बढ़ जाएगी। इससे इन उत्पादों के खराब होने की दर में कमी आएगी। किसानों को अपने उत्पाद पर अधिक लाभ मिलने के साथ ही उनको नुकसान भी कम होगा।

लैंड बैंक भी बनाएंगे: यमुना और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के लिंक प्वाइंट पर भी औद्योगिक गलियारा स्थापित होगा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किनारे फिरोजाबाद व मैनपुरी, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे बाराबंकी और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे चित्रकूट में जमीन ली जा रही है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे पहला इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जालौन में और दूसरा बांदा में विकसित होगा। औद्योगिक पार्कों के अलावा, राज्य सरकार ने राज्य में एक्सप्रेसवे और राजमार्गों के किनारे भूमि बैंक विकसित करेगी। इसी तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे सात नये इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। इनमें से पांच पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे और दो बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे होंगे। इसकी शुरूआत लखनऊ से होगी।

# उत्तरकाशी सुरंग हादसा: फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए बनाया गया 5-ऑप्शन एक्शन प्लान

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम ह्यआलवेदर सड़क (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है।

करण वाणी, न्यूज

उत्तराखंड में एक ध्वस्त सुरंग के अंदर 41 श्रमिक एक सप्ताह से अधिक समय से फंसे हुए हैं. केंद्र सरकार का कहना है कि श्रमिकों को बचाने के लिए पांच-विकल्प कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है. सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार 12 नवंबर से उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और वह इसके लिए पांच-विकल्प वाली कार्ययोजना पर काम कर रही है. बचाव

अभियान नौवें दिन भी जारी है।

इस बीच जैन ने उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान पर की जानकारी मुहैया कराने के लिए एक वीडियो जारी किया. उन्होंने कहा कि सरकार सभी मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्र श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाएं और सूखे मेवे भेज रहा है. उन्होंने कहा, "पांच विकल्प तय किए गए हैं और इन विकल्पों को पूरा करने के लिए पांच अलग-अलग एजेंसियां तय की गई हैं. पांच एजेंसियां अर्थात तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएनएल), रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) और टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएचडीसीएल) को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

**सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना**

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम ह्यआलवेदर सड़क' (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है. सुरंग का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के तहत किया जा रहा है. निमार्णाधीन सुरंग का सिलक्यारा की ओर से मुहाने से 270 मीटर अंदर करीब 30 मीटर का हिस्सा पिछले रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ढह गया था और तब से श्रमिक उसके अंदर फंसे हुए हैं. उन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया जा रहा है।

**बड़कोट छोर से 'माइक्रो टनलिंग' का काम शुरू...**

बचाव अभियान शुक्रवार दोपहर को निलंबित कर दिया गया था, जब श्रमिकों के निकलने का मार्ग तैयार करने के लिए ड्रिल करने के वास्ते लगायी गई अमेरिका निर्मित ऑगर मशीन में खराबी आ गई. इसके बाद चिंता बढ़ गई. जैन ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा केवल एक दिन में एक पहुंच मार्ग का निर्माण पूरा करने के बाद आरवीएनएल ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक और लम्बवत पाइपलाइन पर काम करना शुरू कर दिया है. इसके अलावा, टिहरी जलविद्युत विकास निगम (टीएचडीसी) बड़कोट छोर से 'माइक्रो टनलिंग' का काम शुरू करेगा, जिसके लिए भारी मशीनरी पहले ही जुटाई जा चुकी है. टीएचडीसी आज रात से ही कार्रवाई शुरू कर देगा।

## इन 5 विकल्पों पर हो रहा काम

- एसजेवीएनएल सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग कर रहा है.
- सीमा सड़क संगठन द्वारा केवल एक दिन में एक एप्रोच रोड का निर्माण पूरा करने के बाद आरवीएनएल ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक और वर्टिकल पाइपलाइन पर काम शुरू कर दिया है।
- डीप ड्रिलिंग में विशेषज्ञता रखने वाली ओएनजीसी ने बरकोट छोर से वर्टिकल ड्रिलिंग का शुरूआती काम भी शुरू कर दिया है।
- कार्य सुरक्षा व्यवस्था के बाद एनएचआईडीसीएल सिल्क्यारा छोर से ड्रिलिंग जारी रखेगी. इसकी सुविधा के लिए सेना ने बॉक्स पुलिया तैयार की है. श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक छत्र ढांचा बनाया जा रहा है।
- टीएचडीसी बड़कोट से माइक्रो टनलिंग का काम करेगी, जिसके लिए भारी मशीनरी पहले ही जुटाई जा चुकी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800